रोजगार गारण्टी योजना मा बहुतै ज्यादा गड़बड़ी हवै। चित्रकूट जिला मा वनांगना संस्था के सहयोग से दलित महिला समिति की अगुवाई मा मेहरियन का मनरेगा के कानूनी जानकारी दें खातिर सम्मेलन मनावा गा।

सम्मेलन कइके दिहिन जानकारी

जानकारी लेत

चित्रकूट इण्टर कालेज कर्वी मा बनांगना संस्था के सहयोग से दलित महिला समिति का दो दिवसीय सम्मेलन 27 अउर 28 जून 2010 का मनावा गा। जेहिमा मनरेगा मा जागरुकता अउर मा फइली छुआछूत, भेदभाव जइसी बुराई का खतम करै के चुनौती के रणनीति बनाई गे। या कार्यक्रम का संचालन वनांगना के रातरानी अउर दलित महिला समिति की बहिनी करिन। वनांगना संस्था सन् 2005 से दलित महिला समिति का गठन करिस। तबै से तीन दरकी या सम्मेलन मनावा जा चुका हवै। सम्मेलन मा कइयौ संस्था अउर क्षेत्र के लगभग पांच सौ मेहरिया मनसवा शामिल रहै। सम्मेलन सीतापुर जिला के संगतिन संस्था के ऋचा बताइस कि हमार संस्था मनरेगा का लइके काम करत हवै। जेहिमा दुइ ब्लाक मा काम चलत हवै। बेरोजगार मड़इन का 2008 अउर 2009 मा आठ सौ छब्बीस मड़इन का बेरोजगारी येत्ता देवावै का काम कीन गा हवै।

या सम्मेलन मा कर्वी नगर पालिका अध्यक्ष लक्ष्मी साहू का कहब रहै कि दलित मेहरिया होय या सामान्य जाति के मेहरिया सबै मेहरियन का आपन हक अउर अधिकार जागरुकता होय का चाही। मेहरियन से मोहिका यहै कहैं का हवै कि जागरुक होय के सबहिन से ज्यादा जरूरत हवै।

वनांगना संस्था के जागेश्वर प्रसाद बताइस कि या मेला का मुख्य उद्देश्य इनतान हवैं–

- दलित मेहरियन का समिति के माध्यम से कउनौ भी काम करै मा उनके पहल अउर हक, अधिकार के जानकारी देब रहै अउर उंई आपन काम के जवाबदेही खुदै दइ सकै। जइसे खाना अउर काम के अधिकार मा मनरेगा के कानून के जानकारी के साथै साथ वहिका आवै वाली परेशानी से निपटै के समझ बनावब हवै।
- आज के समाज मा फइली छुआछूत जइसी बुराई का खतम करैं के कोशिश कीन जात हवै।
- सबै बहिनी का एक–दुसरे के साथै जुड़ाव बनै का चाही।
- या समय चित्रकूट जिला के ब्लाक मानिकपुर, पहाड़ी अउर कर्वी ब्लाक के गांव मा वनांगना संस्था लगभग सोलह सौ रोजगार गारण्टी के फार्म भरवाइस हवै। इं गांवन मा रोजगार गारण्टी का काम चलत हवै।
- दलित महिला समिति के सदस्य पचिनिया का कहब हवै कि मैं जिला चित्रकूट ब्लाक मानिकपुर गांव भौरी मा रहत हौं। मोहिका आज बहुतै खुशी हवै कि सबै मेहरिया इकट्ठा होइके एक–दुसरे बहिनी का दुख बांटै अउर दूर करैं के कोशिश करिहैं।

संगतिन के कार्यकर्ता